प्री-क्लाम्प्सिया की व्याख्या

the women's
the royal women's hospital
victoria australia

प्री-क्लाम्प्सिया

- यह गर्भावस्था में होने वाला सबसे आम और गम्भीर चिकित्सीय जटिलता है।
- यह बच्चे तथा माँ के लिए अनेक परेशानियाँ उत्पन्न करता है।
- इसके लक्षण हमेशा जाहिर नहीं होते।
- आपको अपने गर्भावस्था की जाँच कभी भी चूकना नहीं चाहिए क्योंकि जाँच के दौरन प्री-क्लाम्प्सिया के आरम्भिक लक्षण पकड़ में आ सकते हैं।

प्री-क्लाम्प्सिया की व्याख्या

प्री-क्लाम्प्सिया एक बीमारी है जो गर्भावस्था या बच्चे को जन्म देने के तुरन्त बाद हो सकती है। इसका प्रभाव माँ तथा बच्चे दोनों पर पड़ सकता है। प्री-क्लाम्प्सिया होने का कारण स्पष्ट नहीं है। यह बहुत तेज़ी से विकसित हो सकता है। इसके मुख्य लक्षण उच्च-रक्तचाप (हाई ब्लडप्रेशर) तथा पेशाब में प्रोटीन पाया जाना है।

वैसे तो गर्भावस्था में सूजन, वज़न का बढ़ना तथा सिरदर्द किसी को भी हो सकता है पर अगर ये लक्षण अचानक से विकसित हुए हो तो वे आपको प्री-क्लाम्प्सिया होने के चेतावनी भी हो सकते हैं। अचानक धँधुला दिखना भी एक इसका एक लक्षण है। आपको प्री-क्लाम्प्सिया किसी लक्षण के अनुभव किए बिना भी हो सकता है।

दस में से एक गर्भावस्था, प्री-क्लाम्प्सिया से प्रभावित होगी। यह अक्सर गर्भावस्था के दूसरे चरण में होता है तथा कभी-कभी बच्चा होने के एक दिन बाद हो सकता है। यह आम तौर से पहले गर्भ के समय अधिक होता है।

माँ तथा बच्चे पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है

माँ को रक्तसंचार से सम्बन्धित कठिनाई उत्पन्न हो सकती है, जिसके कारण नाल (प्लसेन्टा) को क्षति होती है। यह उच्च-रक्तचाप, पेशाब में प्रोटीन तथा सूजन के रूप में दिखाई देती है।

अधिकतर महिलाओं में यह बीमारी हल्की सी रहती है परन्तु कुछ मामलों में यह गम्भीर हो जाती है। यह शरीर के अन्य भागों पर भी असर डाल सकता है जैसेकि कलेजे पर तथा खून के थक्का बनने की प्रणाली पर (HELLP लक्षण) तथा जिससे बाद में ऐंठन यानि कन्वल्शन (क्लाम्प्सिया) हो सकता है।

प्री-क्लाम्प्सिया बहुत तेज़ी से बिगड़ सकता है और जो माँ तथा बच्चे दोनों के लिए खतरनाक होता है।

माँ की कमज़ोर रक्त संचार प्रणाली के कारण नाल (प्लसेन्टा) द्वारा बच्चे को मिलने वाली पोषण तथा आक्सीजन की पूर्ति सीमित हो जाती है। इससे बच्चे के विकास की क्षमता में कमी आ सकती है।

उपचार/चिकित्सा

अगर आपका गर्भ जारी रहता है, तो आपके रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए तथा ऐंठन यानि कन्वल्शन से बचाव के लिए दवा का प्रयोग किया जा सकता है।

अगर आपका प्री-क्लाम्प्सिया गम्भीर हो जाता है तो उसका उपचार बच्चे तथा नाल को प्रसव करवाना ही होगा।

अगर यह गर्भावस्था के दूसरे चरण के आरम्भ में होता है तो यह बच्चे को समय से बहुत पहले पैदा होने से उत्पन्न जोखिमों में डाल देता है।

बाद के गर्भ

बाद की गर्भावस्था में प्री-क्लाम्प्सिया दूबारा से होने का खतरा आम तौर से कम होता है। पर जिन महिलाओं में पूराने विकार जैसे कि अनिवार्य हाइपर्टेशन (उच्च-रक्तचाप), गुर्दे की बीमारी, मधुमेह या लूपस तो यह खतरा बढ़ जाता है।

निम्नलिखित लक्षण कदाचित प्री-क्लाम्प्सिया के सूचक हैं:

- लगातार होने वाला सिरदर्द जो आम काउंटर पर बिकने वाली दवाईयों से नहीं जाता
- धुँधला दिखना
- हाथ, पैर तथा चेहरे पर बहुत अधिक या अचानक आई सूजन।

अतिरिक्त जानकारी

आप वुमनस की वेबसाइट www.thewomens.org.au पर भी जानकारी देख सकते हैं।

आपातकालीन जानकारी के लिए Women's Emergency Department को (03) 8345 3636 पर सम्पर्क कीजिए।

यह विवरण पुस्तिका को ऑस्ट्रेलियन ऐक्शन ऑन प्री-क्लाम्प्सिया (AAPEC) की भागीदारी से प्रस्तुत की गई है।

AAPEC एक स्वयंसेवी संस्था है जो प्री-क्लाम्प्सिया से पीड़ित परिवारों को सहायता तथा जानकारी प्रदान करने के लिए स्थापित की गई है।

AAPEC P.O. Box 29 Carlton South
विक्टोरिया 3053 ऑस्ट्रेलिया **टेलिफोन** 61 (3) 9330 0441

प्री-क्लाम्प्सिया सूचना पैक के लिए अपना विवरण info@aapec.org.au पर ईमेल कीजिए।

AAPEC वेबसाइट जानकारी www.aapec.org.au

Disclaimer The Royal Women's Hospital does not accept any liability to any person for the information or advice (or use of such information or advice) which is provided in this fact sheet or incorporated into it by reference. We provide this information on the understanding that all persons accessing it take responsibility for assessing its relevance and accuracy. Women are encouraged to discuss their health needs with a health practitioner. If you have concerns about your health, you should seek advice from your health care provider or if you require urgent care you should go to the nearest hospital Emergency Department. © The Royal Women's Hospital, May 2012